PROSPEROUS COMMOM MAN IS MUST FOR A DEVELOPED NATION

देश की समृद्धि के लिए प्रत्येक नागरिक का समृद्ध होना आवश्यक है।

DIRECT SELLING DISTRIBUTORS WELFARE ASSOCIATION

(AFFILIATED TO FDSA)

109, First Floor, Vardhman Key Point Plaza, Plot No. 1, Local Shopping Centre
Sector 6, (Near DAV Public School), Dwarka, New Delhi-110075
Ph.: 011-43071768 I Email: admin@dsdwa.org I URL: www.dsdwa.org

A PLEDGE FOR
DIRECT SELLING INDUSTRY
AT

JANTAR-MANTAR
7th May 2013

डायरेक्ट सेलिंग उद्योग
के लिए संकल्प
जन्तर–मन्तर 7 मई 2013

A PLEDGE FOR DIRECT SELLING INDUSTRY

Direct Selling Business entered in India during mid '90s. Soon it became life-line of crores of people. This business not only benefitted our society but also proved beneficial to our economy too. Since it is a no-risk venture, many people could start their own venture and could realize their dreams. But even after nearly two decades the Direct Selling did not get the due attention of government. Due to lack of regulatiry authority many unscrupulous people entered in this trade.

Today Jantar-Mantar is witnessing a golden day in the history of Direct Selling Industry where the distributors working in various companies have assembled from all across the country to appeal to the government to frame legislation for this unique business so that common person can be saved from the clutches of Money Circulation Schemes running under the garb of Direct Selling Industry and bringing bad name to this noble trade.

Come on friends, let us pledge today that we will do all efforts to restore the lost glory of our Direct Selling Industry at any cost, which has given us everything in life.

Undermentioned is to recall what has this industry given to us -

1. Direct Selling supports illiterate/ poorly educated/ non technical people. They cannot be absorbed in any other trade.
2. Direct Selling gives employment to people at their native places. They are not compelled to migrate to metros/cities for earning their livelihood.
3. Direct Selling shapes-up personality of youth and sharpens leader quality.
4. Direct Selling has no fixed sales out lets. To distribute commission to respective purchaser, all sales are accounted and total tax amount is deposited to government.
5. Since all sales are documented, accordingly all purchases are carried out on record.
6. Direct Selling companies make their profit by selling the products. The profit part is being shared amongst distributors as commission – which is a standard norm of marketing industry.
7. Direct Selling has brought large number of people in tax net from interior/remote areas by way of PAN.
8. Total TDS & Service Tax is deposited in the government treasury.
9. Direct Selling supports to numerous small/medium quality product manufacturers who cannot maintain expansive marketing force to sell their products.
10. Direct Selling has encouraged women enterprunears because it can be operated from home.

डायरेक्ट सेलिंग उद्योग के लिए संकल्प

डायरेक्ट सेलिंग व्यवसाय नब्बे के दशक में भारत में आया था। यह व्यवसाय सभी के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण साबित हुआ। इस व्यवसाय ने न केवल हमारे लिए सामाजिक लाभ दिए बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था तथा सरकार के लिए बहुत कुछ किया। जोखिम न होने के कारण बहुत से लोग अपना व्यवसाय आरम्भ कर सके और अपने सपने साकार कर सके। लगभग दो दशक बीतने के बावजूद यह व्यवसाय सरकारी उपेक्षा का शिकार बना रहा है। किसी प्रकार की नियमन प्रणाली न होने के कारण इस व्यवसाय में गलत लोग आने लगे।

आज जन्तर–मन्तर पर डायरेक्ट सेलिंग व्यवसाय के इतिहास का स्वर्णिम दिवस है जबकि देश भर की तमाम कम्पनियों में कार्यरत डायरेक्ट सेलिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स एकत्रित होकर इस बेमिसाल व्यवसाय के नियम कानून बनाने के लिए केन्द्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं ताकि आम जनता को डायरेक्ट सेलिंग उद्योग के नाम पर चल रही मनी सर्कुलेशन कम्पनियों के जाल से बचाया जा सके।

आज हम संकल्प लेते हैं कि जिस डायरेक्ट सेलिंग उद्योग ने देश के असहाय वर्ग को समृद्धि दी है उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा को हर कीमत पर वापस लाना है।

डायरेक्ट सेलिंग उद्योग ने –

1. अनपढ़/कम पढ़े–लिखे/गैर तकनीकी शिक्षा प्राप्त लोगों को सहारा दिया है, जिन्हें मजदूरी के अलावा कोई और काम नहीं मिल सकता।
2. लोगों को उनके मूल निवास पर रोजगार उपलब्ध कराया है। लोगों को आजीविका कमाने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ता।
3. उत्तम क्वालिटी के प्रॉडक्ट बनाने वाले तमाम छोटे–मंझोले व कुटीर उद्योगों के लिए मार्केटिंग तंत्र उपलब्ध कराया है जो स्वयं अपना माल नहीं बेच सकते।
4. बहुत सी महिलाओं को स्वावलम्बी बनाया है और महिला सशक्तीकरण में योगदान दिया है। क्योंकि यह व्यवसाय घर से चलाया जा सकता है।
5. युवा वर्ग की लीडरशिप और व्यक्तित्व को निखारा है।
6. पूरी बिक्री पर सरकार को टैक्स दिया है क्योंकि बिक्री किसी एक जगह से नहीं होती और डिस्ट्रीब्यूटरों को कमीशन देने के लिए हर सेल को बिल पर दर्ज कराना होता है।
7. पूरी खरीद पर टैक्स दिया है क्योंकि हर सेल को बिल पर दर्ज कराना होता है।
8. लाभांश प्रॉडक्ट की बिक्री से मिलता है। यही लाभांश डिस्ट्रीब्यूटरों को कमीशन के रूप में वितरित किया जाता है जो कि मार्केटिंग व्यवस्था का आधार है।
9. दूर–दराज के क्षेत्रों में रह रहे लोगों का पैन कार्ड बनवाकर एक बड़े वर्ग को टैक्स के दायरे में लाने का काम किया है।
10. सारा टैक्स व टी डी एस सरकारी खजाने में जमा करवाया जाता है।